इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3065

20 दिसम्बर, 2012 को उत्तर के लिए

आरआईएनएल का मूल्यांकन करने हेतु कार्यप्रणाली

3065. श्री देवेंदर गौड टी.:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) का मूल्यांकन करने हेतु कौन-सी कार्यप्रणाली उपयोग में लाई गई है;

(ख) क्या मूल्यांकन के संबंध में मतभेद हैं और इस कारण से इनीशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) आस्थगित कर दिया गया;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पणधारकों तथा यूनियनों के साथ विनिवेश हेतु कोई विचार-विमर्श किया गया है;

(ड.) यदि हां, तो इसका क्या परिणाम रहा;

(च) बैंकरों द्वारा प्राइस बैंड को 15 रूपए से 17 रूपए के बीच रखे जाने के लिए कहे जाने के क्या कारण हैं; और

(छ) इस पर उनके मंत्रालय की क्या प्रतिक्रिया है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) से (ग): विनिवेश विभाग, भारत सरकार द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया (आईपीओ के रूप में विनिवेश) पर विचार किया गया था। बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम-बैकर्स) ने उल्लेख किया कि इवी/ईबीआईटीडीए उद्यम मूल्य/ब्याज, कर, मूल्यह्रास, परिशोधन) मल्टिपल, प्राइज टू बुक मल्टिपल (पी/टी) और बट्टागत नकद प्रवाह (डीसीएफ) विश्लेषण के आधार पर आरआईएनएल का विशिष्ट रूप से मूल्य निर्धारित किया जाएगा। तथापि, सेबी के विनियमनों, आरआईएनएल के विस्तरीय चरण के कारण निवेशकों के लिए किसी भी प्रकार के अग्रिम प्रक्षेपण देने में असमर्थता को देखते हुए ईवी/ईबीआईडीटीए (वित्त वर्ष 2013 का) और प्राइज टू बुक (वित्त वर्ष 2012 का) पर निवेशकों का ध्यान केंद्रित किया गया है। बीआरएलएम ने यह भी बताया कि मल्टिपल्स के लिए आवेदन करते समय मूल्यांकन उद्देश्यों हेतु सेल को आरआईएनएल का सबसे नजदीकी साथी माना जाएगा। बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएमएस-बैकर्स) ने प्रति शेयर 15-17 रूपए के प्राइज बैंड की सिफारिश की थी तथा यह महसूस किया गया कि यह आरआईएनएल के मूल्यांकन को समुचित रूप से परिलक्षित नहीं करता है।

जारी/-

(घ) और (ड.)

- आरआईएनएल के कर्मचारियों को विश्वास में लिया जा रहा है तथा आरआईएनएल ने अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिसमें विभिन्न स्तरों पर व्यापार संगठनों और कार्यपालकों के प्रतिनिधियों का प्रस्तुतीकरण शामिल है।

- कंपनी को सूचीकृत करवाने के फायदों के बारे में व्यापार संगठनों के नेताओं को सूचित किया गया है। चूंकि कंपनी प्रगति के पथ पर है इसलिए संपूर्ण विश्व में अपनी प्रत्यक्षता के लिए सूचीकृत होना कंपनी के लिए आवश्यक है।

- कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखने के लिए आरआईएनएल बोर्ड ने आरआईएनएल के एकमात्र योग्य कर्मचारियों के लिए पूरी तरह से प्रस्ताव साईज के 10 प्रतिशत के आरक्षण का अनुमोदन किया है। आरआईएनएल बोर्ड ने खुदरा निवेशको और आरआईएनएल के योग्य कर्मचारियों के लिए प्राइज बैंड के अपर एंड पर 5 प्रतिशत तक के कीमत छूट की भी अनुमति दी है।

(च) बैकर्स ने बताया कि मूल्यांकन प्रक्रिया हेतु स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को आरआईएनएल का नजदीकी साथी माना जाएगा। बीआरएलएम ने बताया कि आरआईएनएल की वित्तीय एवं प्रचालन बैंचमार्किंग और क्षमता विस्तार योजना के पूरे होने, और अनुषंगी (ओएमडीसी) में खानों का प्रचालन होने से लाभों के प्रोदभवन के संबंध में पिछड़ने पर निवेशक पियर ट्रेडिंग मल्टिपल हेतु छूट की आशा करेगें। अधिकारियों की समिति ने बीआरएलएम से कंपनी के निष्पादन पर उचित ध्यान देने का अनुरोध किया था और इस तथ्य पर भी विचार करने का अनुरोध किया कि 6.3 एमटीपीए तक विस्तार कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है। बीआरएलएस प्रति शेयर 15-17/- रूपए के एक प्राइस बैंड जो कि 6.0 x 6.6 x (सेल को 5 प्रतिशत रियायत) को वित्तीय वर्ष 2013 इवी/इबीआईटीडीए की परिणत होगा तथा 067 x 0.75 प्रतिशत के गुणक (14.6 प्रतिशत से 24.7 प्रतिशत तक सेल के डिस्काउंट) की एक प्राइज को सुरक्षित (जून, 2012) रखने की संस्तुति पर सहमत हो गए हैं।

(छ) आईपीओ के जरिए कंपनी को बेहतर प्रदान करने के लिए मंत्रालय ने रिजर्व्स में आरआईएनएल के 40 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक इक्विटी का हस्तांतरण करते हुए आरआईएनएल के इक्विटी कैपिटल बेस को कम करने, अधिमान्य शेयर पूंजी के 7 प्रतिशत अर्थात 1632 करोड़ रूपए की राशि का पूर्व विमोचन तथा नकद रहित लेनदेन के जरिए आरआईएनएल एवं ईआईएल के शेयरों की स्वैपिंग द्वारा आरआईएनएल की गौण कंपनी, ईस्टर्न इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (ईआईएल) का आरआईएनएल में विलय का निर्णय लिया है। कंपनी ने इन मामलों पर कार्रवाई पहले ही आरंभ कर दी है।

****